राज
कॉमिक्स विशेषांक
मूल्य 20.00 संख्या 640
भूचाल
सुपर कमांडो ध्रुव

visit us at: www.rajcomics.com
email: rajcomics2000@yahoo.co.in

धरती के मुकाबले में इंसानों का जीवन बहुत छोटा सा है-
कोई भी बड़ी प्राकृतिक आपदा एक इंसानी जीवन में एक बार ही आती है! और कईयों के जीवन में आती ही नहीं है-
इसीलिए अपनी ज़िन्दगी की भावी योजनाएं बनाते वक्त इंसान, प्राकृतिक आपदाओं का ध्यान रखता ही नहीं है-
हा! हा! हा! आप तो ऐसे सवाल पूछ रहे हैं जैसे कि आप सी. बी. आई. में काम करते हों!
पूछना ही पड़ता है बिल्डर साहब! आखिर मैं इस फ्लैट को लेने के लिए अपनी ज़िन्दगी भर की कमाई लगा रहा हूं! और ऊपर से लोन भी ले रहा हूं!
वैसे आपकी ये बिल्डिंग भूकंपरोधी यानी 'अर्थक्वेक रेजिस्टेंट' है न?
अब आप पूछेंगी भाभीजी कि ये बिल्डिंग फायरप्रूफ है न? या बाढ़प्रूफ है न? अजी, आप ही सोचिए ऐसी मुसीबतें आती ही कहां हैं! ये तो दूसरे बिल्डरों के रेट बढ़ाने के चोंचले हैं! पर हम साफ और सच्चे सौदे में यकीन रखते हैं!
आपकी बात में दम है! मुझे आपका फ्लैट पसंद है! ये लीजिए चेक!
धन्यवाद सूद साहब! और नया घर लेने की बधाई भी!
खुश तो हो न, डार्लिंग!
बहुत खुश! लेकिन अगर फ्लैट भूकंपरोधी होता तो मैं और भी खुश होती!
अरे, छोड़ो न! चलो बापू स्वामी का आशीर्वाद लेकर आते हैं! वे आजकल राजनगर आए हुए हैं!
चलो! शायद उनके आशीर्वाद से ही मेरी चिन्ता दूर हो जाए!

बिल्डर के ऑफिस में-
हां, पार्टनर! तुमने जो कस्टमर भेजा था उससे सौदा हो गया है!
हां, हां! अरे हम तेरी तरह चोर थोड़े ही हैं! हाहाहा!
हां, हां! तेरा कमीशन तेरे बेनामी एकाउंट में शाम तक जमा हो जाएगा!
सुन! और ग्राहक कब भेज रहा है? अभी भी सैंतीस फ्लैट खाली हैं!
जब-जब पाप बढ़ता है तब-तब ईश्वर विनाश करते हैं! कभी स्वयं अवतार लेकर और कभी प्रकृति को यह काम सौंपकर!
ऐसा प्रभु ने गीता में भी कहा है! और पाप बढ़ रहा है! इस नगर में पाप का पेड़ और घना हो रहा है! इसे काटो, वर्ना विनाश दूर नहीं है! मैं आपके पास सिर्फ यही चेतावनी देने आया हूं!
अभी तुमको इस विनाश के और भी संकेत मिलेंगे! पाप से उपजे प्राणी धरती पर विचरण करेंगे!
निरपराधों का रक्त बहेगा! इसलिए संभलकर रहो! पाप तुमसे ही फैलता है! इसीलिए तुम ही पाप का अंत कर सकते हो!
स्वामी जी तो डरा रहे हैं! मैं आज से ही एक हफ्ते के लिए घूस लेना बंद कर दूंगा!
इतना भी मत डरो जी! अच्छा, तीन दिन तक मत लेना!
पाप को धीरे-धीरे कम करो!

बापू दंडवत!
सदाचारी भव! उठो, भक्त सूद! तुम अवश्य कोई शुभ सूचना लाए हो! कहो!
आपके आशीर्वाद से आज मैं एक मकान का मालिक बन गया हूं बापू!
अति उत्तम! सदाचारियों के साथ हमेशा अच्छा ही होता है, भक्त!
सब आपका आशीर्वाद है! अब तक आपके बताए रास्ते पर चलकर ही हमने तरक्की की है। आगे भी हमारा मार्ग दर्शन करते रहियेगा! बापू!
अवश्य! तुम जैसे सदाचारियों ने ही तो अपने पुण्यों से इस नगर को बचा रखा है! वर्ना ये तो कब का खंडहर बन गया होता!
जाओ, मेरा आशीर्वाद सदा तुम्हारे साथ है!
राजनगर को सदाचारियों ने ही पापियों से बचा रखा था-
लीजिए, पापा! आपका ये बंगला अब दस करोड़ का हो गया है! पिछले दो महीनों में प्रापर्टी के दाम पन्द्रह प्रतिशत बढ़ गए हैं! बधाई हो!
मुझको इस खबर से कोई खुशी नहीं हुई बेटे!
बल्कि मुझे तो इस तरह की महंगाई बढ़ने से चिन्ता होती है! ऐसे तो गरीब जनता अपना घर खरीदने की कभी सोच भी नहीं सकती है!
खुश तो होते हैं!
आप भी पापा, अरे! कभी-कभी ऐसे ही खुश हो लिया कीजिए!

पर इनके खुश होते ही तू इनके सामने आ जाती है! फिर बेचारे दुःखी हो जाते हैं!
यानी... यानी कि मैं मनहूस हूं! ऐसी शक्ल है मेरी!
ये लो अपना खाना...
...और खाओ!
अब मैं तेरी बात कैसे काटूं?
तू कह रही है तो ऐसा ही होगा!
थूsss
हा हा हा! अब जाकर आईना देखो और बताओ कि मनहूस कौन लग रहा है!
जब तक मैं अपना खाना फिनिश...
आक्!
किसने धक्का दिया मुझे? किसने... अरे! आप लोग भी गिर पड़े हैं!
पर कैसे?
ये जरूर भूकंप का झटका था!

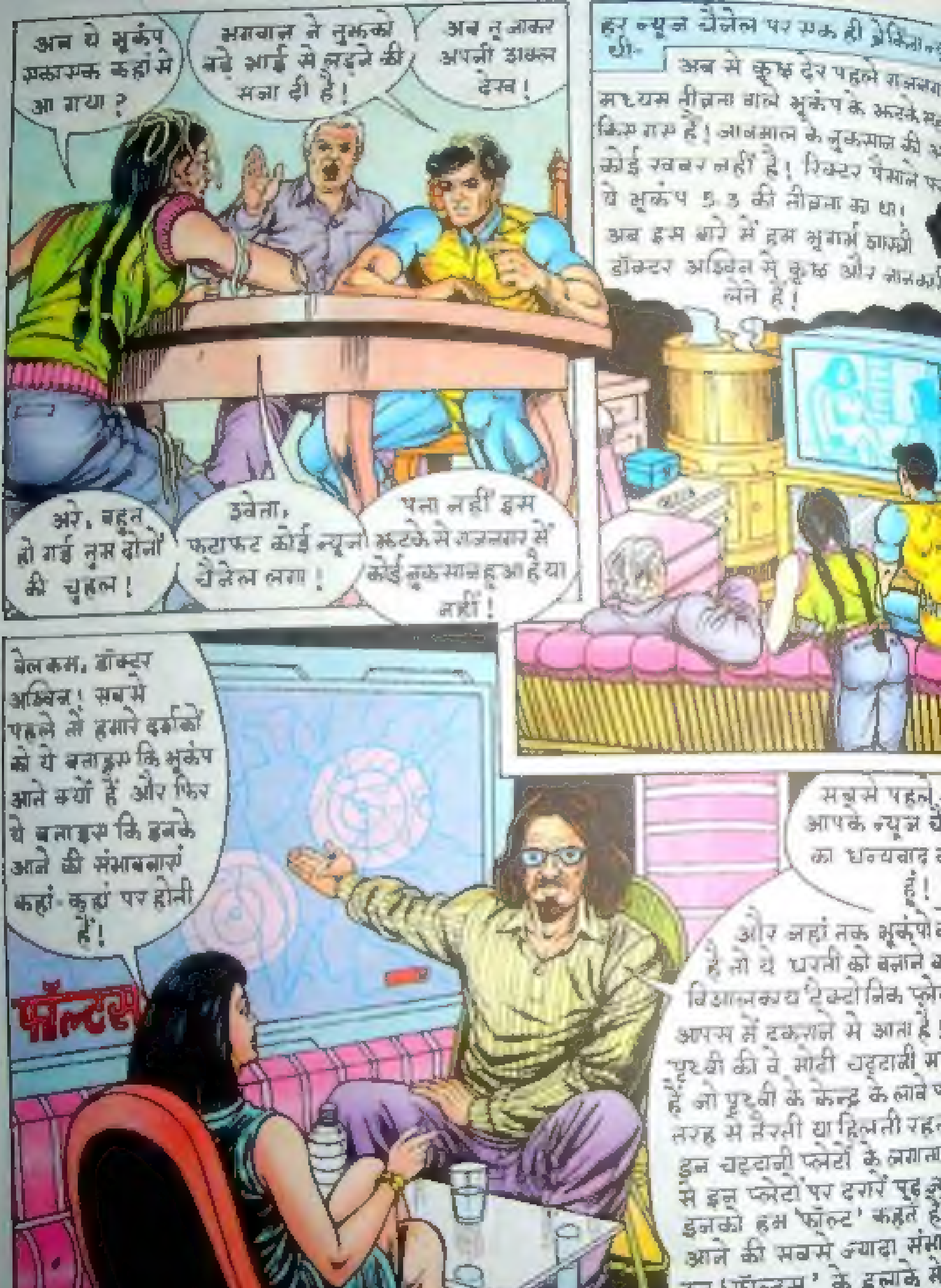
अब ये भूकंप एकाएक कहां से आ गया ?
भगवान ने तुमको बड़े भाई से लड़ने की सजा दी है!
अब तू जाकर अपनी शक्ल देख!
हर न्यूज चैनेल पर एक ही ब्रेकिंग
अब से कुछ देर पहले
5.3 तीव्रता वाले भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं! जानमाल के नुकसान की
कोई खबर नहीं है! रिक्टर पैमाने
ये भूकंप 5.3 की तीव्रता का था।
अब इस बारे में हम भूगर्भ शास्त्री डॉक्टर अखिल से कुछ और
लेते हैं!
अरे, बहुत हो गई तुम दोनों की चुहल!
श्वेता, फटाफट कोई न्यूज चैनेल लगा!
पता नहीं इस झटके से
कोई नुकसान हुआ है या नहीं!
वेलकम, डॉक्टर अखिल! सबसे पहले तो हमारे दर्शकों को ये बताइए कि भूकंप आते क्यों हैं और फिर ये बताइए कि इनके आने की संभावनाएं कहां-कहां पर होती हैं!
फॉल्टस
सबसे पहले
आपके न्यूज
का धन्यवाद
है!
और जहां तक भूकंपों
है तो ये धरती को बनाने
विशालकाय टेक्टोनिक प्लेटों
आपस में टकराने से आता है!
पृथ्वी की वे मोटी चट्टानी
हैं जो पृथ्वी के केन्द्र के लावे
तरह से तैरती या हिलती रह
इन चट्टानी प्लेटों के लगातार
से इन प्लेटों पर दरारें पड़
इनको हम 'फॉल्ट' कहते हैं
आने की सबसे ज्यादा संभा
इन 'फॉल्टस' के इलाके में
है!

और राजनगर ऐसी ही एक फॉल्ट पर बसा हुआ है!
यानी इस शहर में कभी भी एक बड़ा भूकंप आ सकता है!
मैं अफवाहें फैलाना या जनता को डराना तो नहीं चाहता, लेकिन यह एक वैज्ञानिक सच्चाई है कि राजनगर में एक बड़ा भूचाल कभी भी आ सकता है!
अगर भूचाल आ गया पापा तो दस करोड़ का यह बंगला फिर से तीन करोड़ का हो जाएगा!
सही कहा! ऐसी स्थिति में लोग राजनगर को छोड़-छोड़ कर भागेंगे लेकिन सिर्फ वही भाग पाएंगे जो... बचेंगे!
पता नहीं अगर ऐसा भूचाल आ गया तो कितने मरेंगे और कितने बचेंगे।
अगर भूचाल आने का कोई संकेत पहले ही मिल जाए तो हजारों जानें बचाई जा सकती हैं!
मिलेगा! बापू भी आज यही कह रहे थे!
मम्मी, तुम कहां से आ रही हो? और 'बापू' कौन हैं?
बापू? तुम बापू को नहीं जानती! मैं परमपूज्य महासंत बापू स्वामी जी की बात कर रही हूं! आज मैं उनका ही प्रवचन सुनने गई थी!
पहले तो कभी नहीं गई थीं!
अब आ रही हूं न! बड़ी शांति मिलती है बापू का प्रवचन सुनकर! तुम तीनों तो मारपीट के अलावा कोई बात ही नहीं करते!
अरे, ये तो बताओ कि बापू क्या कह रहे थे!
वे कह रहे थे कि प्राकृतिक आपदा आने से पहले धरती पर अजीब से प्राणी घूमेंगे!
शायद वे प्राणी जो सतह से बहुत नीचे रहते हैं, वे भूकंप का आभास पाकर सतह पर आ जाएंगे!

ये कैसा संकेत है? अरे संकेत के पीछे कुछ लॉजिक भी तो होनी चाहिए! जो मन में आया बोल दिया!
ऐ, लड़की! बापू के बारे में बोलो तो आदर से! समझीं?
समझी, मम्मी!
सॉरी!
भूकंप से हुई तबाही का धीरे-धीरे पता चल रहा था-
भूकंप का केंद्र इसी स्थान के आसपास था! यहां पर इमारतें भी गिरी हैं! लेकिन ज्यादा लोगों के मरने की आशंका नहीं है!
ये तो अच्छी बात है! लेकिन अगली बार क्या होगा!
ऐसे भूकंप रोज-रोज थोड़े ही आते हैं ध्रुव! ये भूकंप भी राजनगर में बासठ सालों के बाद आया है!
उस भूकंप में इंसान तो काफी मरे थे लेकिन मरने वाले जानवरों की तादाद काफी कम थी! शायद जानवरों को भूकंप जैसी आपदा का आभास पहले ही हो जाता है! अगर उन पर नजर रखी जाए तो शायद ऐसी आपदा का पहले से आभास मिल सकता है!
इतनी फुर्सत किसके पास है! खैर मैं तो भगवान से यही प्रार्थना करूंगा कि ऐसा मौका ही न आए!

भूकंप ने राजनगर के तो एक छोटे से ही हिस्से को हिलाया था-
लेकिन इससे पूरे राजनगर के निवासी अंदर हिल गए थे-
अब राजनगर में रहना सेफ नहीं है! अपनी नहीं तो बच्चों का तो सोचना पड़ेगा न!
तुमको याद है न! बापू स्वामी ने भी किसी विनाश की चेतावनी दी थी!
अरे, उन्होंने ये भी तो कहा था कि उससे पहले कुछ संकेत भी मिलेंगे! अब ऐसे संकेत मिलेंगे तब सोचेंगे!
संकेत मिलने ही वाले थे-
ऐ जी! सामने देखो!
अरे, अभी तो सड़क खाली थी! फिर ये औरत कहां से आई? और वह भी बच्चा लेकर!
मैं समय पर ब्रेक नहीं लगा पाऊंगा!
अरे बचो SSS
चीईईईईईईईई
तु... तुमने देखा! कार उस औरत के आर-पार हो गई!
लेकिन उसको कुछ भी नहीं हुआ! राम राम राम! वह इशारा कर रही है! हमें बुला रही है!
तु... तुम बिलकुल मत जाना जी!

वह तो कब्रिस्तान की तरफ जा रही है, कहीं ये...
..हाँ! ये वही है, आत्मा है, वह कब्र में घुस रही है!
दूर से भी कब्र पर लिखे मोटे-मोटे अक्षर साफ नजर आ रहे थे-
भूत दिखना अशुभ होता है! ये वही मकान है जिसकी बापू स्वामी ने बात की थी।
और यहीं नौकरी अगर जान रही तो अभी कई नौकरियां मिल जायेंगी

संचार क्रांति के इस युग में खबरें 'जंगल की आग' से भी तेज गति से फैलती हैं-
अब आज की अंतिम न्यूज़! राजनगर में आए भूकंप से लगभग सतर करोड़ रुपयों की हानि हुई है, इस हादसे से डर कर कई लोगों ने राजनगर छोड़ने का फैसला कर लिया है! प्रॉपर्टी के भाव अचानक काफी नीचे गिर गए हैं! लेकिन इन दामों पर भी प्रॉपर्टी खरीदने वाले नहीं मिल रहे हैं।
लेकिन इसके विपरीत राजनगर में अफवाहों का बाजार काफी गर्म है! राजनगर के कई हिस्सों से अजीबो गरीब प्राणियों की खबरें हमें लगातार मिल रही हैं कुछ लोगों ने इनको 'भूत' बताया है और इनको आने वाले विनाश का संकेत भी बताया है!... अब हम लेते हैं एक छोटा सा ब्रेक! ब्रेक के बाद हैं...
पापा और छुट्टी? वह भी इस वक्त पर? ओ कम ऑन मम्मी!
! आप अभी इन संकेतों की ही बात कर रहे थे! राजनगर तबाह होने वाला है! धुव, श्वेता चलो, तुम दोनों अपना सामान पैक करो!
पापा छुट्टी की अप्लीकेशन देकर आते ही होंगे!
यह खतरा टलने तक हम दिल्ली में रहेंगे! तुम्हारी नानी के घर
बहस मत करो, मैं अपने बच्चों पर राजनगर वालों के पाप का साया नहीं पड़ने दूंगी!
पैकिंग करो!

ओ... ओ.के मम्मी, मैंने अपने कुछ कपड़े ड्राईक्लीनिंग के लिए दिए हैं, उसको लेकर आता हूं, फिर पैकिंग कर लूंगा।
ठीक है! फटाफट आओ! कहीं दुकान बंद न हो जाए!
यस, यस, यस!

लोग राजनगर को छोड़कर भाग रहे हैं! एक भूकंप का एक हल्का सा झटका ऐसा असर नहीं डाल सकता! इस भय का कारण कुछ और ही है।
और वह कारण अजीबोगरीब प्राणियों के दिखने की अफवाह फैलना हो सकता है! लेकिन अगर ये अफवाहें नहीं हैं तो इन प्राणियों के दिखने का कारण भला क्या हो सकता है?
ये सारी चीजें भूकंप के बाद ही शुरू हुई हैं! हो सकता है कि इन सबका जवाब मुझको उस जगह पर मिले, जहां पर भूकंप से सबसे ज्यादा तबाही हुई है!
यहां पर जमीन बीच में फट गई है!
ओं ओं!
क्या बताना चाहते हो दोस्त? समझा, यहां पर कुछ अजीब सा हो रहा है!
तब तो मुझे खुद ही इसके अंदर जाकर देखना पड़ेगा कि वह 'अजीब' सा क्या हो रहा है?

ओह! ये दरार तो जमीन के नीचे जाकर राजनगर के अंडरग्राउंड 'स्टॉर्म ड्रेन' से मिल रही है। लेकिन यहां पर अजीब क्या हो सकता है! इन अंधेरी सीवर लाइनों में तो सिर्फ एक ही चीज आती है: पानी। और वह भी तब जब तेज बारिश होती है और शहर से भरे पानी को इन ड्रेनों के जरिए समुद्र तक पहुंचाना होता है...
ओ ओ गुऽऽ...
आ आ हा, चुप। मैं समझ गया! इधर से आती मेंढ़ गंदाली मुझको भी नजर आ रही है!
थैंक्यू दोस्त, अब मुझको इन सब घटनाओं का कारण पता चल जाएगा।
अब हमारा अड्डा पूरा राजनगर होगा! क्योंकि कुछ ही दिनों बाद पूरे शहर पर सिर्फ हमारा कब्जा होगा! सिर्फ हमारा! हा हा हा!
MOTOR ROOM
ऐसा कभी नहीं होगा, कमीनों...

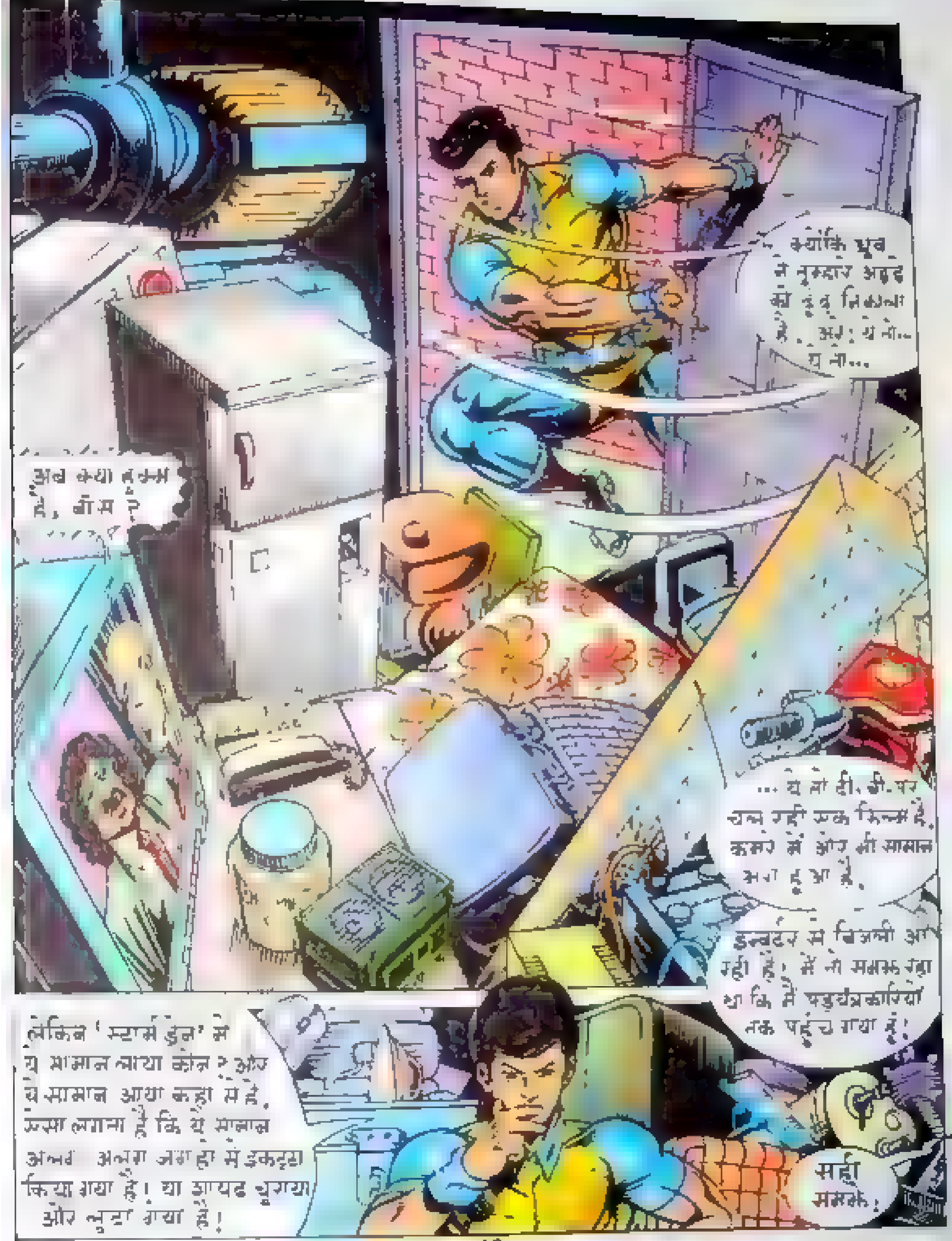
क्योंकि ध्रुव ने तुम्हारे अड्डे को ढूंढ निकाला है... अरे! ये तो... ये तो...
अब क्या हुक्म है, बॉस?
...ये तो टी.वी. पर चल रही एक फिल्म है. कमरे में और भी सामान भरा हुआ है.
इन्वर्टर से बिजली आ रही है। मैं तो समझ रहा था कि मैं षड्यंत्रकारियों तक पहुंच गया हूं!
लेकिन 'स्टार्म ड्रेन' में ये सामान लाया कौन? और ये सामान आया कहां से है. ऐसा लगता है कि ये सामान अलग अलग जगहों से इकट्ठा किया गया है। या शायद चुराया और लूटा गया है!
सही समझे!

कौन हो तुम लोग?
तूने तब तो हमको पहचाना नहीं, जब हम अपने-अपने गांव में रोजी कमाने इस शहर में आए थे.
हमको पहचानकर तू क्या करेगा, कानून के चमचे?
तूने हमको तब भी नहीं पहचाना जब मजदूरी करने के बाद मालिकों ने हमको पैसे नहीं दिए! और शिकायत करने पर पुलिस ने हमको ही सिर्फ डंडे की मार!
उनके आतंक से बचने के लिए हम जमीन के नीचे इन सुरंगों में रहने पर मजबूर हो गए.
और तब भी नहीं पहचाना जब हम ट्रैफिक सिग्नलों पर भीख मांगने के लिए मजबूर हो गए!
आज जब इतने सालों के दुःख के बाद ये भूचाल आया तो हमको अमीरों के घरों से ये सामान लूटने का मौका मिला! जिन्दगी में अब पहली बार हमने खुशी का मुंह देखा है!…

... तब तू हमको पहचानने आ गया!
अब हम तेरा वो हाल करेंगा कि कोई दूसरा तुझे पहचान नहीं पायेगा!
तुम लोगों के साथ बुरा तो जरूर हुआ है...
... लेकिन इससे तुमको गलत काम करने का हक नहीं मिल जाता!
तुमको ये सारी चीजें जरूर मिलेंगी, लेकिन इस तरह से नहीं; तुमको मैं काम दूंगा! और काम के पूरे दाम भी दूंगा.
अब तुम लोगों को यही बात दूसरी तरह से समझानी पड़ेगी!
घू
आऽऽऽ
के
न तो हमारा पेट बातों से भरता है और न ही झूठे वादों से!
कल किसने देखा है? आज जो माल मिला है उसको कल के भरोसे छोड़ दें? कभी नहीं!
ये संख्या में बहुत ज्यादा हैं। और इनमें औरतें और बच्चे भी शामिल हैं!
मैं इन सब पर हाथ नहीं उठा सकता! कोई और तरीका ढूंढना पड़ेगा.

बापू... बापू! वो फिर से आ गए!
हैं! पहली बार तो हम समझे कि हमारा वहम है! पर अब तो पक्का हो गया है
तो अब का करें?
करना क्या है...
भागो
भूत पिशाच निकट नहीं आवे, महावीर जब नाम सुनावे!
इन्होंने एक-एक ऐसा क्या देख लिया कि ये सभी डरकर भाग खड़े हुए?
ओ... ओ...
उधर कुछ है! हवा में तैरता हुआ
ध्रुव उस मोड़ की तरफ भागा-
कहीं ये अजीब आकृतियां सचमुच यहीं से तो नहीं आ रहीं जिनकी वजह से राजनगर में भय फैला हुआ है!
मुझे इसकी पूरी जांच पड़ताल करनी होगी!

लेकिन जाँच पड़ताल करने का मौका ध्रुव को मिल नहीं पाया।
आह, ये तो भूचाल का एक और झटका है।
हमको भी यहाँ से बाहर निकलना पड़ेगा।
चलो, दोस्त
ओफ, बाल बाल बचे! वर्ना यहीं पर हमारी कब्र बन जाती।
इसके साथ ही हमारा जाँच पड़ताल करने का रास्ता भी बंद हो गया है, अब इन रहस्यमय घटनाओं की तह तक कैसे पहुँचा जा सकता है?
एक रास्ता और है, एक डाक्टर है जो कहीं न कहीं इन सारी घटनाओं से जुड़ा हुआ है, और वो है—

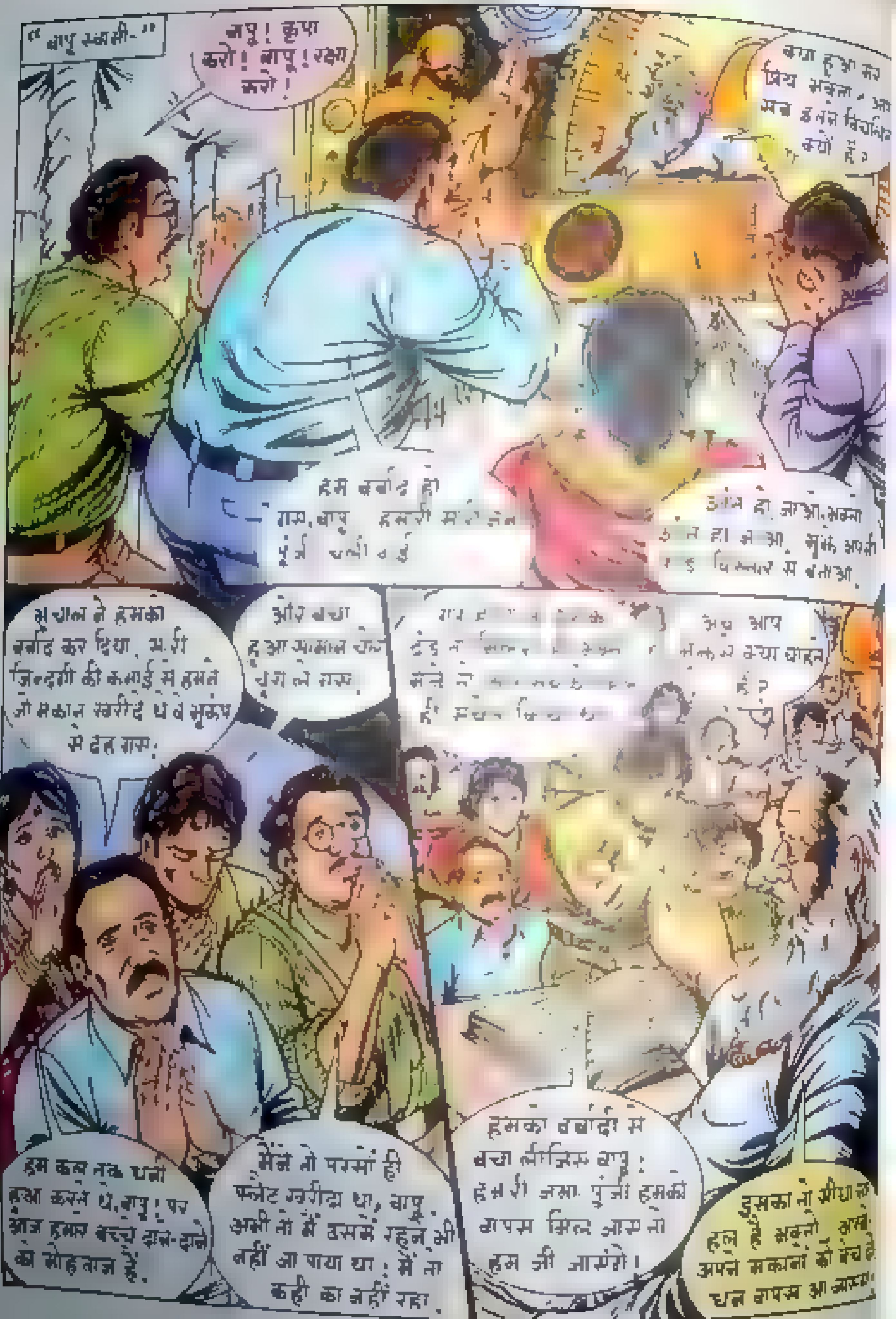
"बापू स्वामी-"
बापू! कृपा करो! बापू! रक्षा करो!
क्या हुआ मेरे प्रिय भक्तों, आप सब इतने विचलित क्यों हैं?
और बचा हुआ सामान चोर चुरा ले गए.
अब आप लोग मुझसे क्या चाहते हैं?
हम कल तक धनी हुआ करते थे, बापू! पर आज हमारे बच्चे दाने-दाने को मोहताज हैं.
मैंने तो परसों ही फ्लैट खरीदा था, बापू. अभी तो मैं उसमें रहने भी नहीं आ पाया था। मैं तो कहीं का नहीं रहा.
हमको बर्बादी से बचा लीजिए बापू! हमारी जमा पूंजी हमको वापस मिल जाए तो हम जी जाएंगे।
इसका तो सीधा सा हल है भक्तो, अपने मकानों को बेच दो, धन वापस आ जाएगा।

भूचाल के कारण जमीनों और प्रोपर्टी के भाव एकदम ही से गिर गए हैं, बापू! और उस मूल्य पर भी कोई उसे खरीदने को तैयार नहीं है।
तब तो आप सबकी समस्या का हल खोजना ही पड़ेगा! क्योंकि ऐसी विपदा तो लगातार आती ही रहेगी।
मैं अभी अपने एक ऐसे भक्त को बुलाता हूं जो आपकी सहायता कर सकता है।
और ये हैं मेरे एक भक्त!
इस शहर के जाने माने बिल्डर और प्रॉपर्टी डीलर श्रीमान जी.एम.
आदेश करें, बापू।
हम आदेश नहीं, प्रार्थना है, भक्त! हमारे भक्तों की मदद करो!
इनके मकानों और भूखंडों का खरीददार?
ये... ये क्या कह रहे हैं बापू? इनको आबाद करने के चक्कर में मैं बर्बाद हो जाऊंगा।
बर्बादी सत्कर्मों से नहीं, दुष्कर्मों से आती है भक्त! तुम्हारे सत्कर्म तुमको और तुम्हारे नगर को उन्नति देंगे।
पर... पर... बापू, मैं इतने भूखंडों... मतलब प्रोपर्टी का करूंगा क्या?
मेरा काम तो प्रोपर्टी को खरीदकर बेचना है! ऐसे माहौल में मैं प्रोपर्टी को बेचूंगा किसे?
मुझको बहुत घाटा हो जाएगा बापू, कृपया ऐसा आदेश न करें।
किसी की सहायता करने में घाटा फायदा नहीं देखा जाता, भक्त! तुम इनकी मदद करो! मैं अपने और भक्तों से भी प्रार्थना करूंगा कि इस काम में वे तुम्हारी मदद करें!
आपके आदेश पर तो मैं अपनी जान भी दे सकता हूं, बापू! ठीक है, मैं इस बार इनकी मदद करूंगा! परंतु बार-बार नहीं कर पाऊंगा।
अभी जो अपनी प्रोपर्टी मुझको आज के भाव पर देगा वह मैं ले लूंगा! पर आज के बाद ऐसा नहीं कर पाऊंगा!

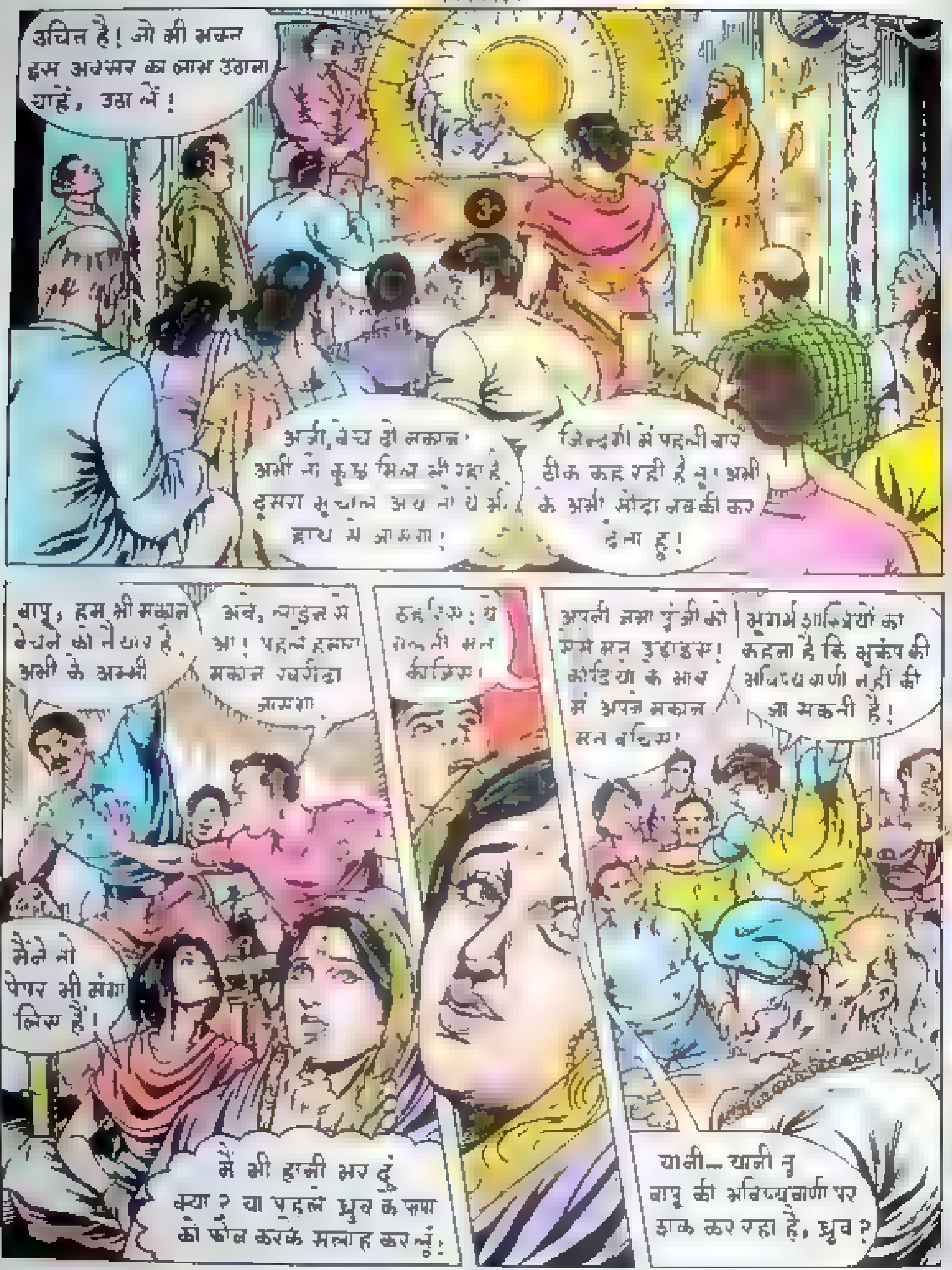
उचित है! जो भी भक्त इस अवसर का लाभ उठाना चाहें, उठा लें!
अजी, बेच दो मकान! अभी तो कुछ मिल भी रहा है, दूसरा भूचाल आया तो ये भी हाथ से जाएगा!
जिन्दगी में पहली बार ठीक कह रही है तू! अभी के अभी सौदा पक्का कर देता हूं!
बापू, हम भी मकान बेचने को तैयार हैं, अभी के अभी
अबे, लाइन में आ! पहले हमारा मकान खरीदा जाएगा
ठहरिए! ये गलती मत कीजिए!
अपनी जमा पूंजी को ऐसे मत उड़ाइए! कौड़ियों के भाव में अपने मकान मत बेचिए!
भूगर्भ शास्त्रियों का कहना है कि भूकंप की भविष्यवाणी नहीं की जा सकती है!
मैंने तो पेपर भी मंगा लिए हैं!
मैं भी हामी भर दूं क्या? या पहले ध्रुव के पापा को फोन करके सलाह कर लूं!
यानी... यानी तू बापू की भविष्यवाणी पर शक कर रहा है, ध्रुव?

एक मिनट, चंदन जी! मुझे लगता है कि ध्रुव सही कह रहा है।
हां! थोड़ी देर के लिए तो मैं भी भ्रमित हो गया था! पर फिर भी अनजाने खतरे से डरकर कम से कम मैं तो अपने मकान को मरने में नहीं बचूंगा!
ध्रुव ने हमेशा हमारी मदद की है, हमें उस पर भरोसा करना चाहिए।
बाबा की बात न मानकर एक लड़के की बात पर भरोसा कर रहे हो! बर्बाद हो जाओगे तुम सब!
शांत हो जाओ, शांत हो जाओ भक्तो, और अपनी इच्छा के अनुसार ही कार्य करें!
आपके नगर को पाप अग्नियों से बचाने के लिए ध्रुव ने कई बार सत्कर्म किया है! आपका नगर इसका ऋणी है! वैसे मेरी भी ईश्वर से यही प्रार्थना है कि वह मेरी सोच को गलत सिद्ध करे और ध्रुव की सोच को सही!
अब हम विश्राम के लिए जाएंगे! अब इजाजत, भक्तो!
और फिर-
तूने मेरी नाक कटा दी ध्रुव! तूने सबके सामने बापू स्वामी की बात काटी! उनका अपमान किया!
माँ, मम्मी!
माफी मांगने जैसी कोई बात नहीं है ध्रुव! तूने सिर्फ अपने विचार जनता के सामने रखे हैं!
और बापू ने भी तो ध्रुव की बात को सही ही माना है, मम्मी! फिर इसमें उनका अपमान कैसे हुआ?
ये तो तब पता चलेगा जब दूसरा भूकंप आएगा
और वह भी बहुत जल्दी!

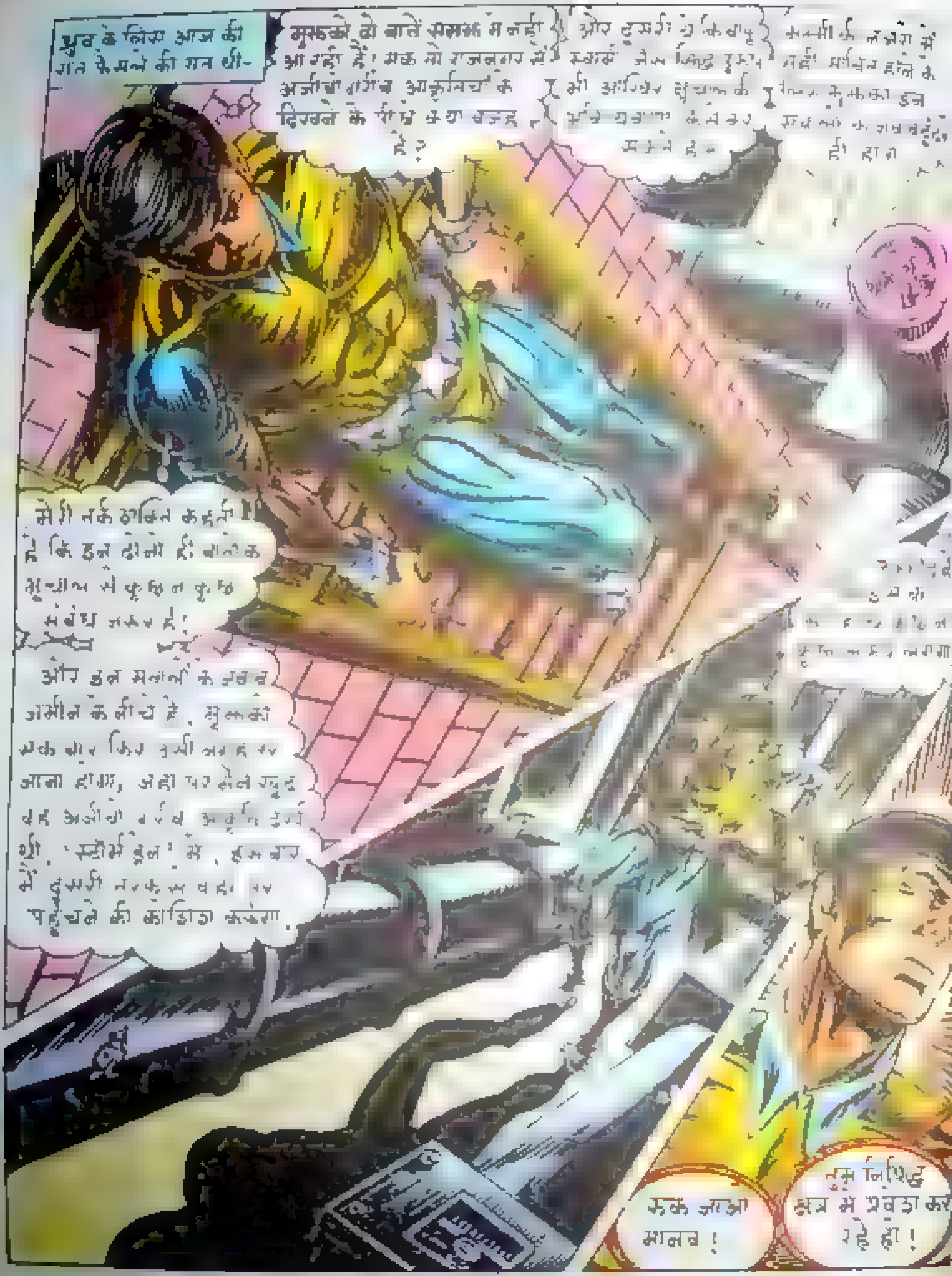

ध्रुव के लिए आज की रात बेचैनी की रात थी-
मुझको दो बातें समझ में नहीं आ रही हैं! एक तो राजनगर में अजीबो गरीब आकृतियों के दिखने के पीछे क्या वजह है?
मेरी तर्क शक्ति कहती है कि इन दोनों ही बातों के मूल में कुछ न कुछ संबंध जरूर है!
और इन सवालों के जवाब जमीन के नीचे हैं. मुझको एक बार फिर उसी जगह पर जाना होगा, जहाँ पर मैंने पहली बार वह अजीबो गरीब आकृति देखी थी. 'स्टोर्म ड्रेन' में. इस बार मैं दूसरी तरफ से वहाँ पर पहुँचने की कोशिश करूँगा.
रुक जाओ मानव!
तुम निषिद्ध क्षेत्र में प्रवेश कर रहे हो!

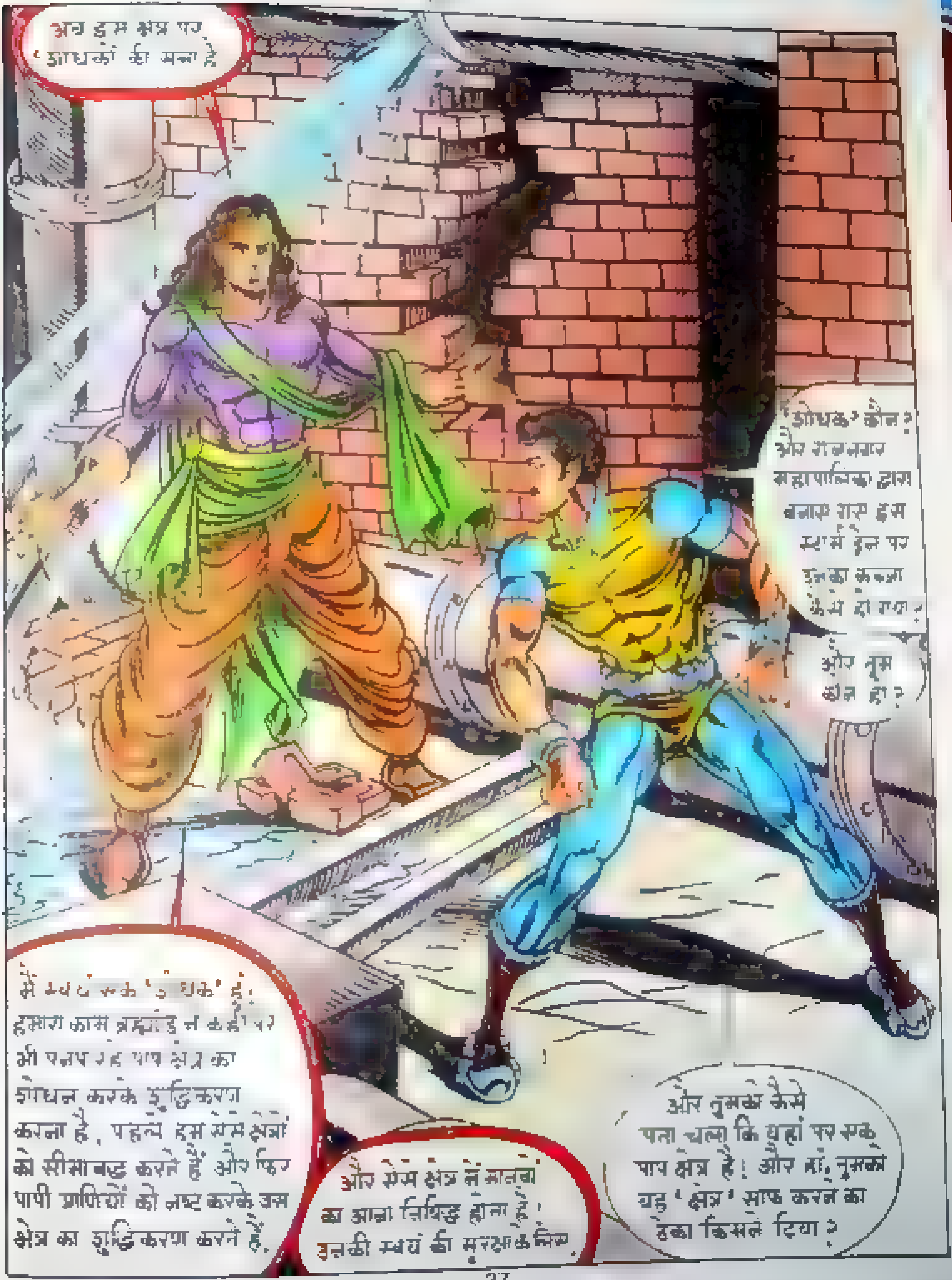

अब इस क्षेत्र पर 'शोधकों' की सत्ता है
'शोधक' कौन? और गोलनगर महापालिका द्वारा बनाए गए इस स्थान पर इनका कब्जा कैसे हो गया?
और तुम कौन हो?
मैं स्वयं एक 'शोधक' हूं। हमारा काम ब्रह्मांड में कहीं पर भी पनप रहे पाप क्षेत्र का शोधन करके शुद्धिकरण करना है, पहले हम ऐसे क्षेत्रों को सीमाबद्ध करते हैं और फिर पापी प्राणियों को नष्ट करके उस क्षेत्र का शुद्धिकरण करते हैं.
और ऐसे क्षेत्र में मानवों का आना निषिद्ध होता है! उनकी स्वयं की सुरक्षा के लिए.
और तुमको कैसे पता चला कि यहां पर एक पाप क्षेत्र है! और हां, तुमको यह 'क्षेत्र' साफ करने का ठेका किसने दिया?

'ठेका'? यह शब्द मैं नहीं जानता, पर हां, यह काम हमको देवताओं द्वारा सौंपा जाता है!
और इस पूरे नगर में जो आकृतियां दिख रही हैं वे इसी पाप क्षेत्र से प्रकट हो रही हैं!
में एक गहरी दरार पड़ गई है! उससे एक भूचाल आया,
और इसका कारण तुम भी हो सकते हो!
हम इस आयाम के द्वार बंद कर देंगे और पहले से ही पृथ्वी पर प्रवेश कर चुकी पाप छायाओं को नष्ट कर देंगे
क्षमा करना! मैं तुमको ऐसा करने नहीं दे सकता! तुमको इस निषिद्ध क्षेत्र में आना ही
आऽऽऽह

अब ये त्रिशूल

लेकिन-
आओ तो मैं आऊंगी ही, चाहे तुमको पार करके जाना पड़े!
तो आओ!
अगर आ सको तो
कैसे आ गया ?

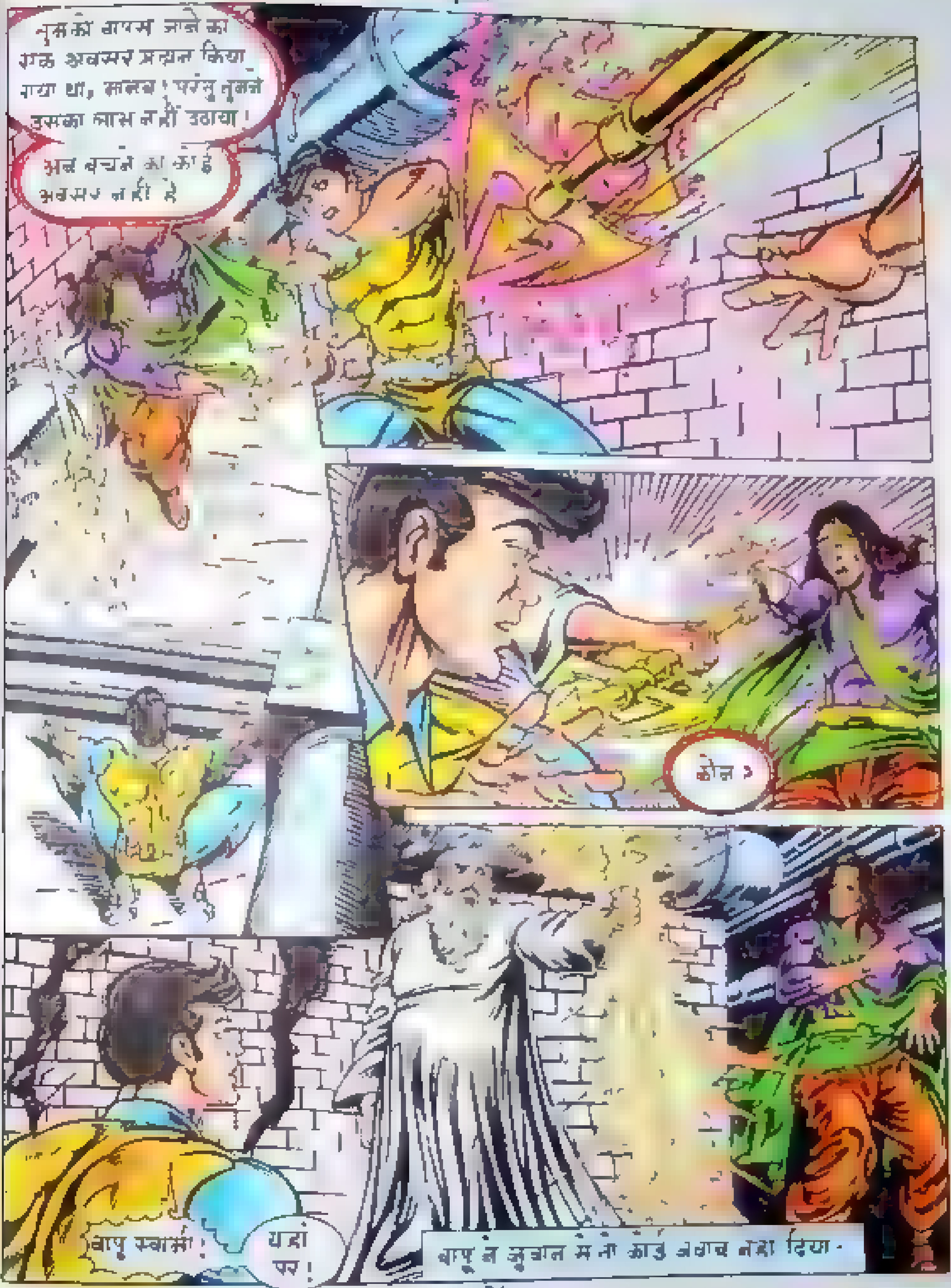
तुमको वापस जाने का एक अवसर प्रदान किया गया था, मानव! परंतु तुमने उसका लाभ नहीं उठाया!
अब बचने का कोई अवसर नहीं है
कौन ?
बापू स्वामी!
यहां पर!
बापू ने जुबान से तो कोई जवाब नहीं दिया -

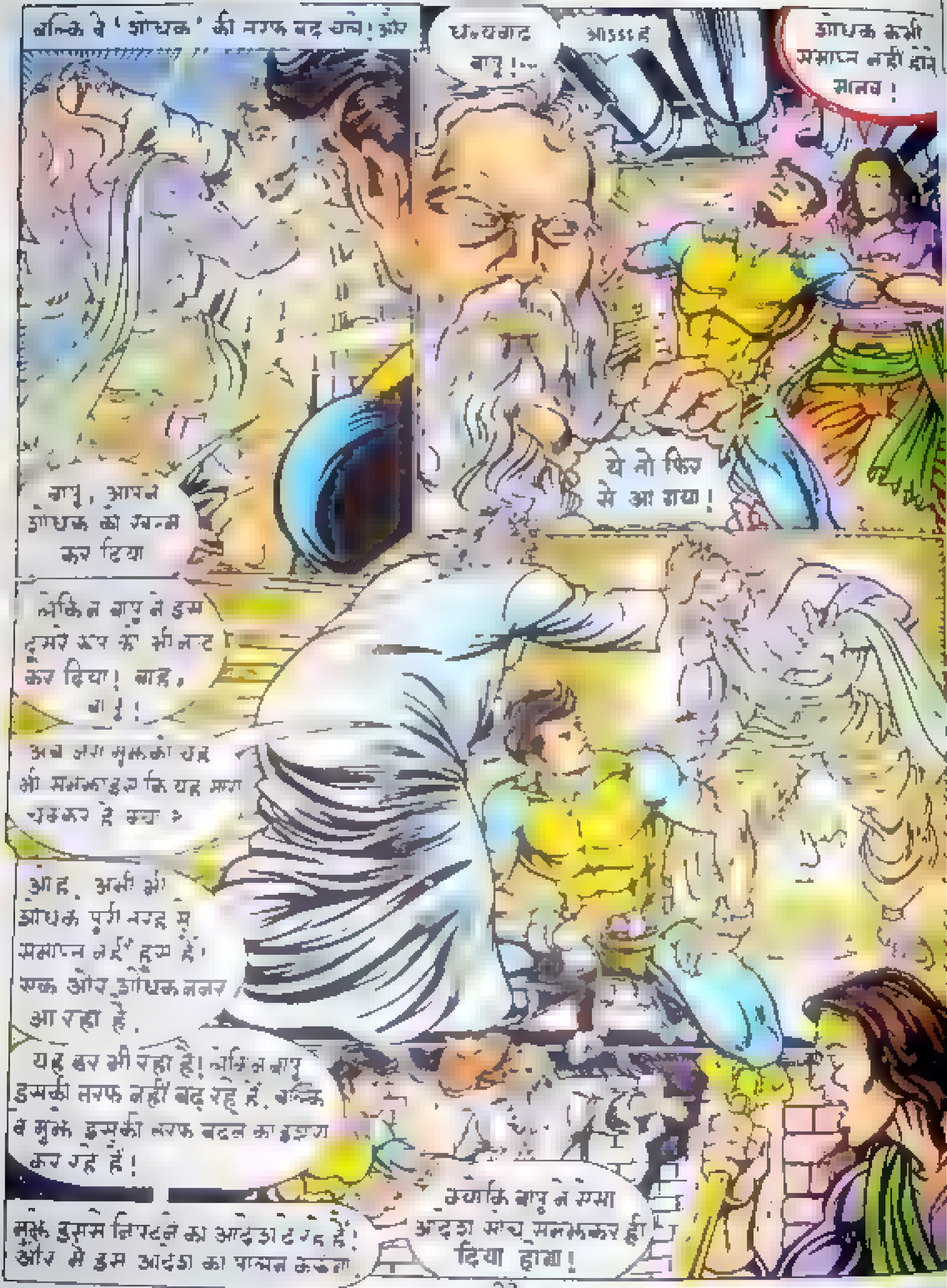
बल्कि वे 'अंधक' की तरफ बढ़ चले! और
धन्यवाद बापू!...
आऽऽऽह
अंधक कभी समाप्त नहीं होते मानव!
ये तो फिर से आ गया!
बापू, आपने अंधक को खत्म कर दिया
लेकिन बापू ने इस दूसरे रूप को भी नष्ट कर दिया! वाह, बापू!
अब क्या मुझको यह भी समझाइए कि यह सारा चक्कर है क्या?
आह, अभी भी अंधक पूरी तरह से समाप्त नहीं हुआ है। एक और अंधक नजर आ रहा है.
यह डर भी रहा है! लेकिन बापू इसकी तरफ नहीं बढ़ रहे हैं, बल्कि वे मुझे इसकी तरफ बढ़ने का इशारा कर रहे हैं!
मुझे इससे निपटने का आदेश दे रहे हैं! और मैं इस आदेश का पालन करूंगा
क्योंकि बापू ने ऐसा आदेश सोच समझकर ही दिया होगा!

वाह! अब इसके स्पर्श से मुझे झटका नहीं लग रहा है! और मेरे वारों का इस पर असर भी हो रहा है.
इसकी शक्तियां एकाएक खत्म हो गई हैं! ये जरूर बापू का ही कमाल है!
शक्तिहीन होने के बाद 'शोधक' के सामने एक ही रास्ता बचा था-
भागने का रास्ता-
लेकिन ध्रुव से पीछा छुड़ाना आसान नहीं था-
ये स्टॉर्म ड्रेन से बाहर निकल रहा है!
ये उस उजाड़ इमारत में जा रहा है! अब इस इमारत में कोई भी नहीं है, क्योंकि पहले आए भूचाल ने इस इमारत को जर्जर और खतरनाक बना दिया है.
यहां पर शोधक भला क्यों आया है?

अरे! कहां गायब हो गया शोधक?
तभी जमीन तेजी से थरथरा उठी-
हमारत ढहती चली गई-
हमने ध्रुव पर भरोसा किया! उसी के कारण हम बर्बाद हुए हैं, हम उसे जिन्दा नहीं छोड़ेंगे!
बस, इस बार हमें बचा लीजिए बापू हमारी जमीनों की कुछ भी कीमत दिला दीजिए रक्षा कीजिए हमारी

तुम्हारा कष्ट मेरा कष्ट है भक्तों, मैं तुम्हारी जो भी सहायता कर सकता हूं अवश्य करूंगा, मैं अपने बिल्डर भक्तों से बात करूंगा, वे तुम्हारी सहायता अवश्य करेगा।
बापू स्वामी ने जो वादा किया, वह निभाया भी-
M. BUILDER
कई दिनों के बाद भी चूंकि अपनी अपनी प्रॉपर्टी को बेचना था, सिर्फ बापू के भक्तों की बिल्डरों के ऑफिसों के बाहर लंबी-लंबी कतार लगी थी-
और बापू के इस निर्णय से खुशी की लहर दौड़ गई थी-
लेकिन ये उनके दिलों में नहीं थी जिन्होंने अपने घरों को बेचा था-
चियर्स
बल्कि उनके दिलों में थी-

जिन्होंने इन असंख्य प्रॉपर्टीज को कौड़ियों के भाव पर खरीदा था-
तुमने कमाल कर दिया बापू! तुम्हारा प्लान एकदम सटीक बैठा! हालांकि ध्रुव ने काम को बिगाड़ने की कोशिश तो की थी, लेकिन उसका खुद ही काम तमाम हो गया।
तुमने पब्लिक के अंदर भूचाल, भूचाल कहके जो दहशत फैला दी थी, उससे डरकर लोगों ने हमारे हाथों खरबों की सम्पत्ति लाखों में सौंप दी। अब जैसे ही स्थिति सामान्य होगी वैसे ही प्रॉपर्टी के भाव फिर से चढ़ जाएंगे और तब हम इन प्रॉपर्टीज को फिर से ऊंचे भावों पर बेचेंगे!
पर अब तो ये रहस्य खोल दो बापू कि ये भूकंप तुम लाये कैसे?
आज तक तुमने बार-बार पूछने पर भी ये रहस्य हमको नहीं बताया!
ये रहस्य तो तुमको वही बताएगा जो भूकंप लाया है!
फिलहाल तो उस आदमी से मिलो, जिसने हमारे रास्ते के सबसे बड़े कांटे को दूर कर दिया।
सुपर कमांडो ध्रुव को खत्म कर दिया।

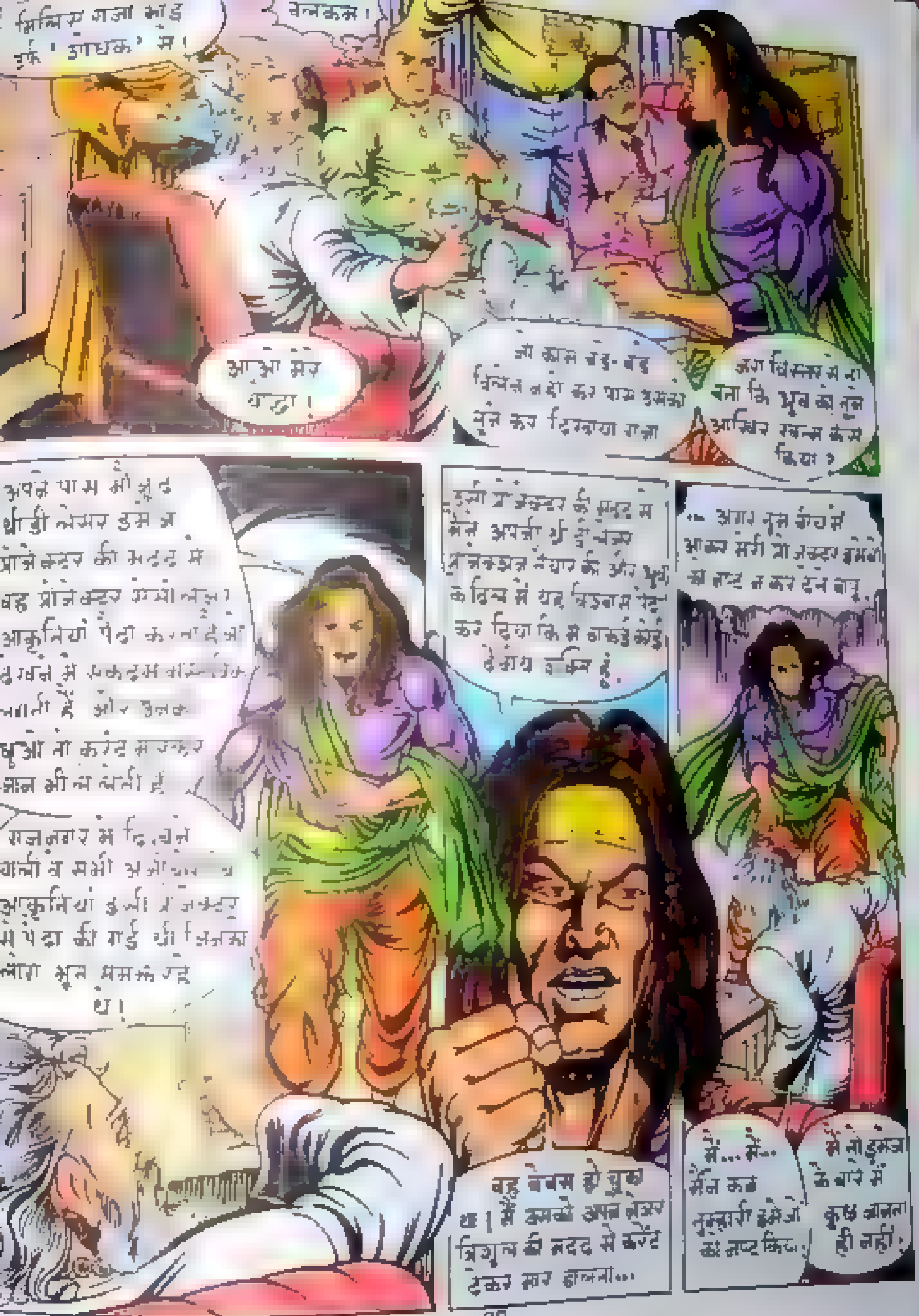
ज़रा विस्तार से तो बता कि ध्रुव को तूने आखिर खत्म कैसे किया?
वह बेबस हो चुका था। मैं उसको अपने लेजर त्रिशूल की मदद से करेंट देकर मार डालना...
मैं... मैं... मैंने कब तुम्हारी इमेजों का नष्ट किया?
मैं तो इनके बारे में कुछ जानता ही नहीं।

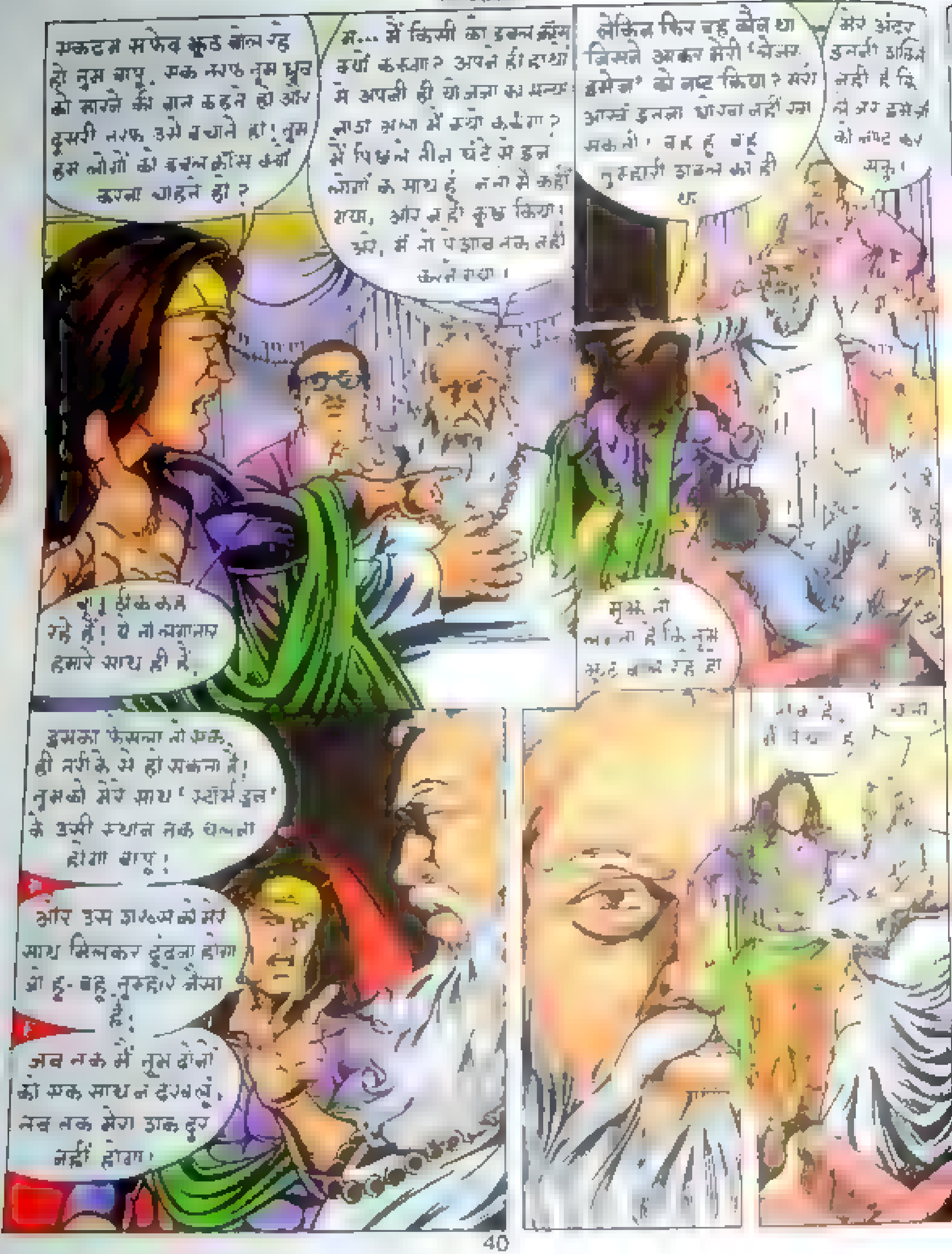
एकदम सफेद झूठ बोल रहे हो तुम बापू. एक तरफ तुम ध्रुव को मारने की बात कहते हो और दूसरी तरफ उसे बचाते हो! तुम हम लोगों का कत्ल क्यों करना चाहते हो?
म... मैं किसी का कत्ल क्यों करूंगा? अपने ही हाथों से अपनी ही योजना का सत्यानाश मैं क्यों करूंगा? मैं पिछले तीन घंटे से इन लोगों के साथ हूं. न तो मैं कहीं गया, और न ही कुछ किया! और, मैं तो पलक तक नहीं झपका पाया!
लेकिन फिर वह कौन था जिसने आकर मेरी 'स्टॉर्म ड्रेगन' को नष्ट किया?
ये! ठीक कह रहे हैं! ये तो लगातार हमारे साथ ही थे.
मुझे तो लगता है कि तुम झूठ बोल रहे हो
इसका फैसला तो एक ही तरीके से हो सकता है! तुमको मेरे साथ 'स्टॉर्म ड्रेगन' के उसी स्थान तक चलना होगा बापू!
और उस शख्स को मेरे साथ मिलकर ढूंढना होगा जो हू-ब-हू तुम्हारे जैसा है!
जब तक मैं तुम दोनों को एक साथ न देख लूं, तब तक मेरा शक दूर नहीं होगा।

तुम लोग अपना झगड़ा आपस में ही सुलझा लो भई, अपना काम तो हो गया है, हमने मिलकर आधा राजनगर खरीद लिया है! अब हमारे साथ कांट्रैक्ट के पेपर साइन करते ही तब हमें खुशी होगी!
मज़ा आ गया ये सोचकर ही मज़ा आ रहा है कि अब हम आधे राजनगर के मालिक हैं

बापू और शोषक इस बात से अंजान थे कि उनकी कलई खुल चुकी है-
तुमने यहीं पर मेरे हमशक्ल को देखा था न, राजा, अब बताओ, कहां पर है, वह?
प्रोजेक्टर तो यहीं पर लगा हुआ है!
यहीं पर हुई थी
वह देखो! उस तरफ कोई है!
सामने आ जा बहुरूपिये वर्ना मैं तेरी लाश यहां तक खींचता हुआ लाऊंगा!
तुम लोगों के लाशों के व्यापार के दिन खत्म हुए...
...और इसकी सजा काटने के दिन शुरू हुए हैं!
ध्रुव... तू... तू बच कैसे गया? तू तो मलबे में दबकर मर गया था।
आधा सही आधा गलत!
मैं मलबे में दबा नहीं था, दबने वाला था।
पुल ने मुझे बचा लिया था
कूद गया था। और इसके ड्रेनपाइप के रास्ते से सुरक्षित बाहर आ गया था।

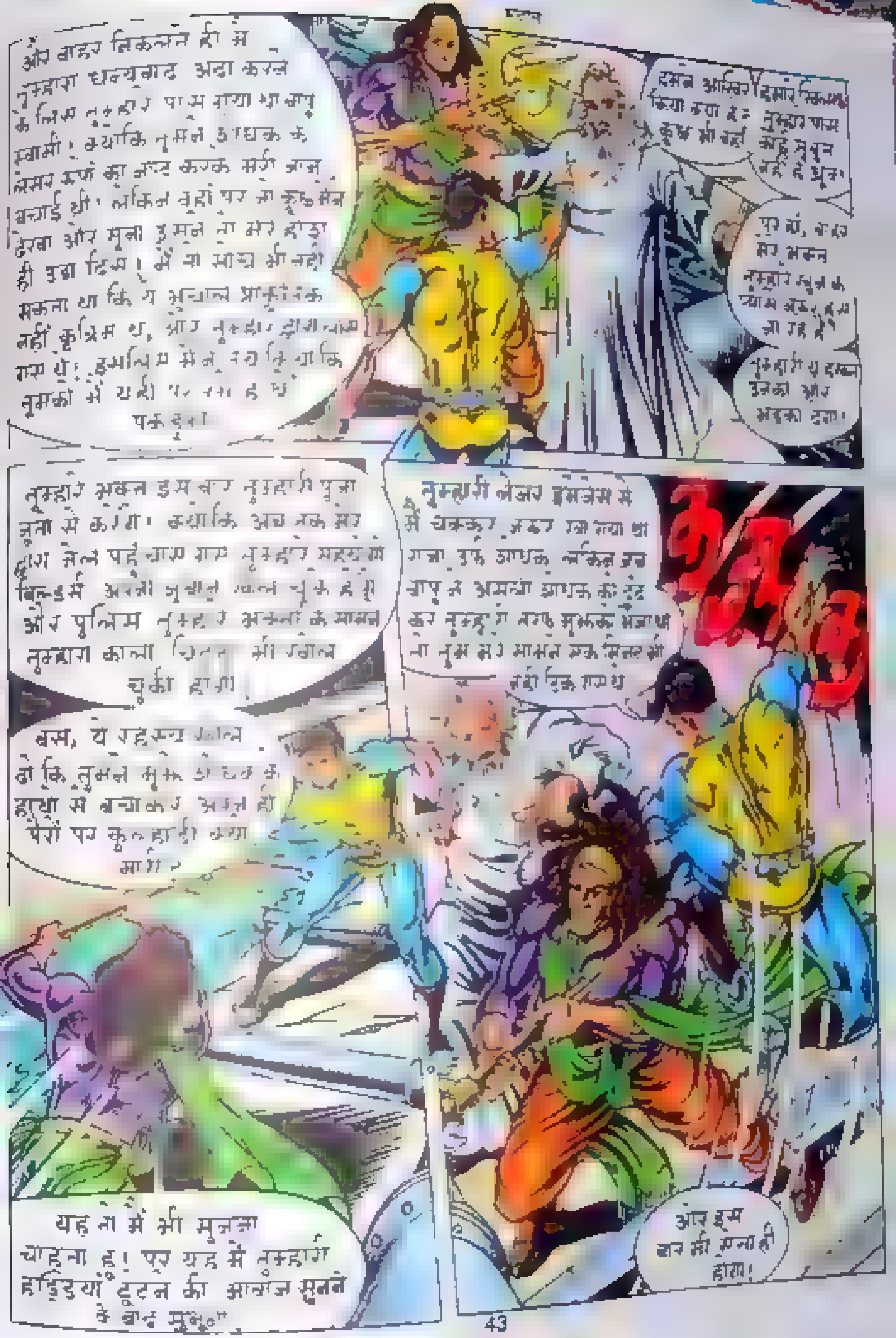
और बाहर निकलते ही मैं
तुम्हारा धन्यवाद अदा करने
तुम्हारे भक्त इस बार तुम्हारी पूजा
चुका होगा।
बस, ये रहस्य
यह तो मैं भी
हड्डियां टूटने की आवाज सुनने
और इस
होगा!

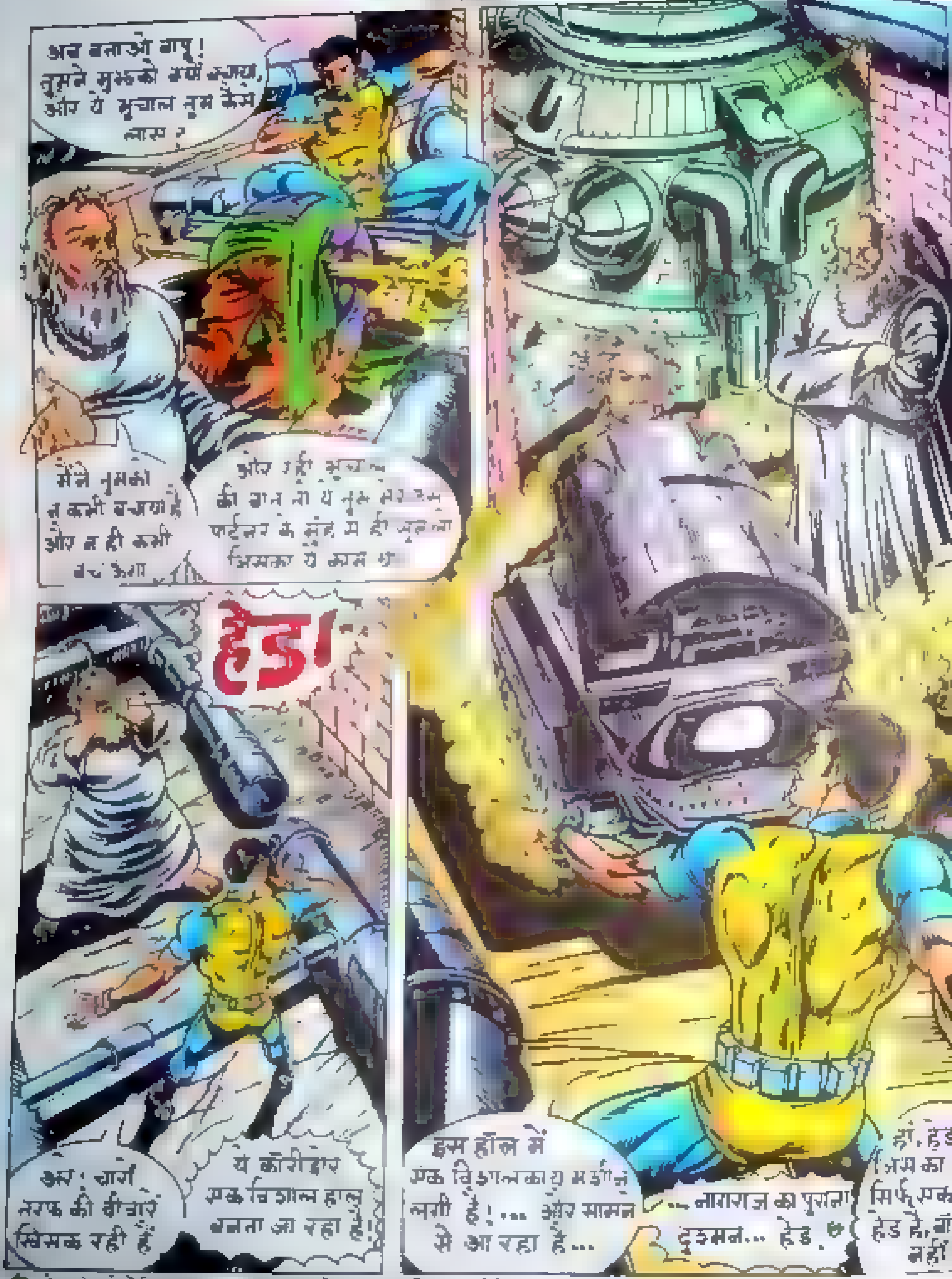

अब बताओ गप्पू! तुमने मुझको क्यों बचाया, और ये भूचाल तुम कैसे लाए?
मैंने तुमको न कभी बचाया है और न ही कभी बचाऊंगा
हैड!
अरे! चारों तरफ की दीवारें खिसक रही हैं
ये कॉरीडोर एक विशाल हाल बनता जा रहा है!
इस हॉल में एक विशालकाय मशीन लगी है!... और सामने से आ रहा है...
...नागराज का पुराना दुश्मन... हेड.

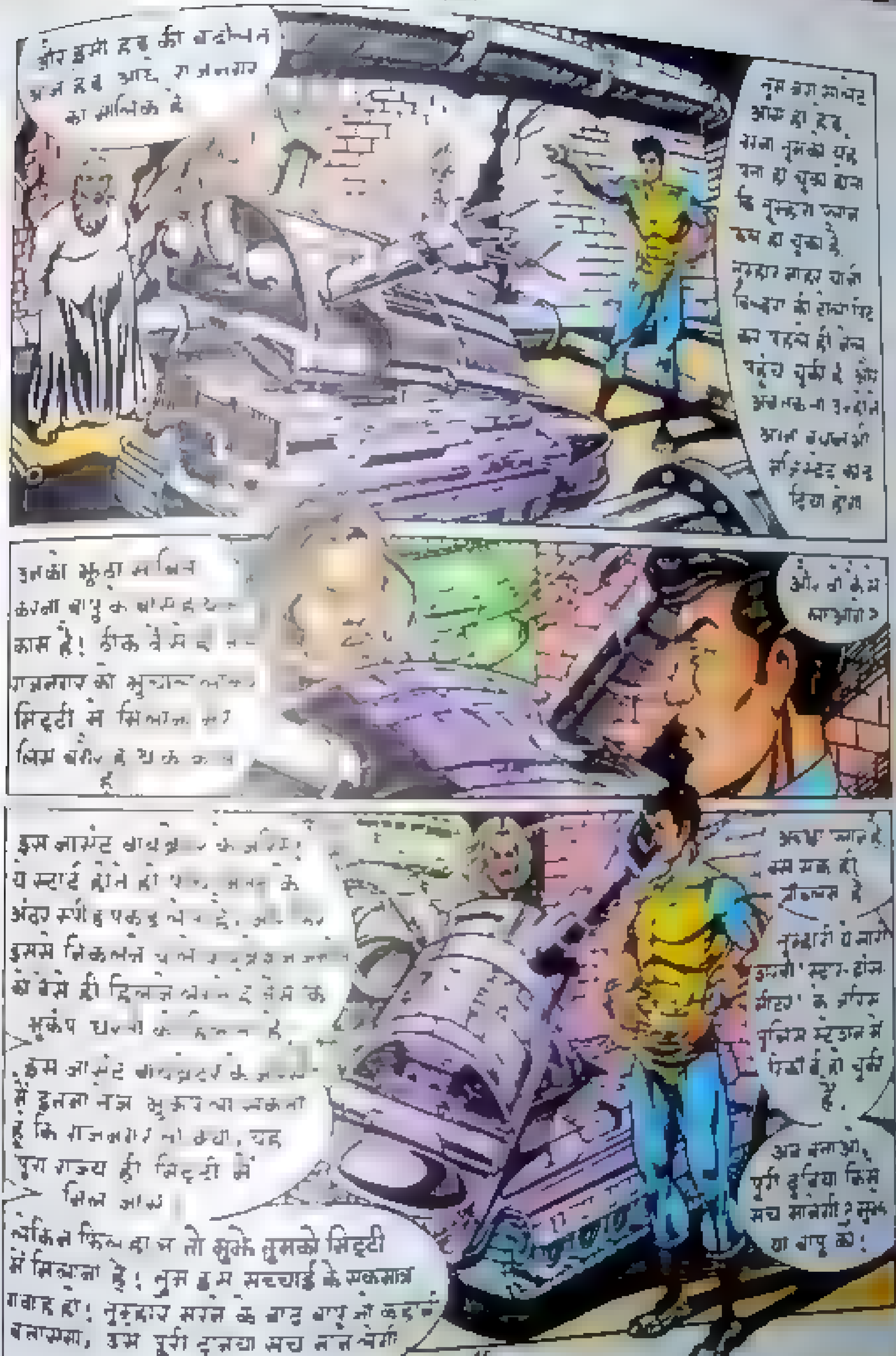

अब बताओ, पूरी दुनिया किसे सच मानेगी? मुझे या बापू को!
लेकिन फिलहाल तो मुझे तुमको मिट्टी में मिलाना है! तुम इस सच्चाई के एकमात्र गवाह हो!

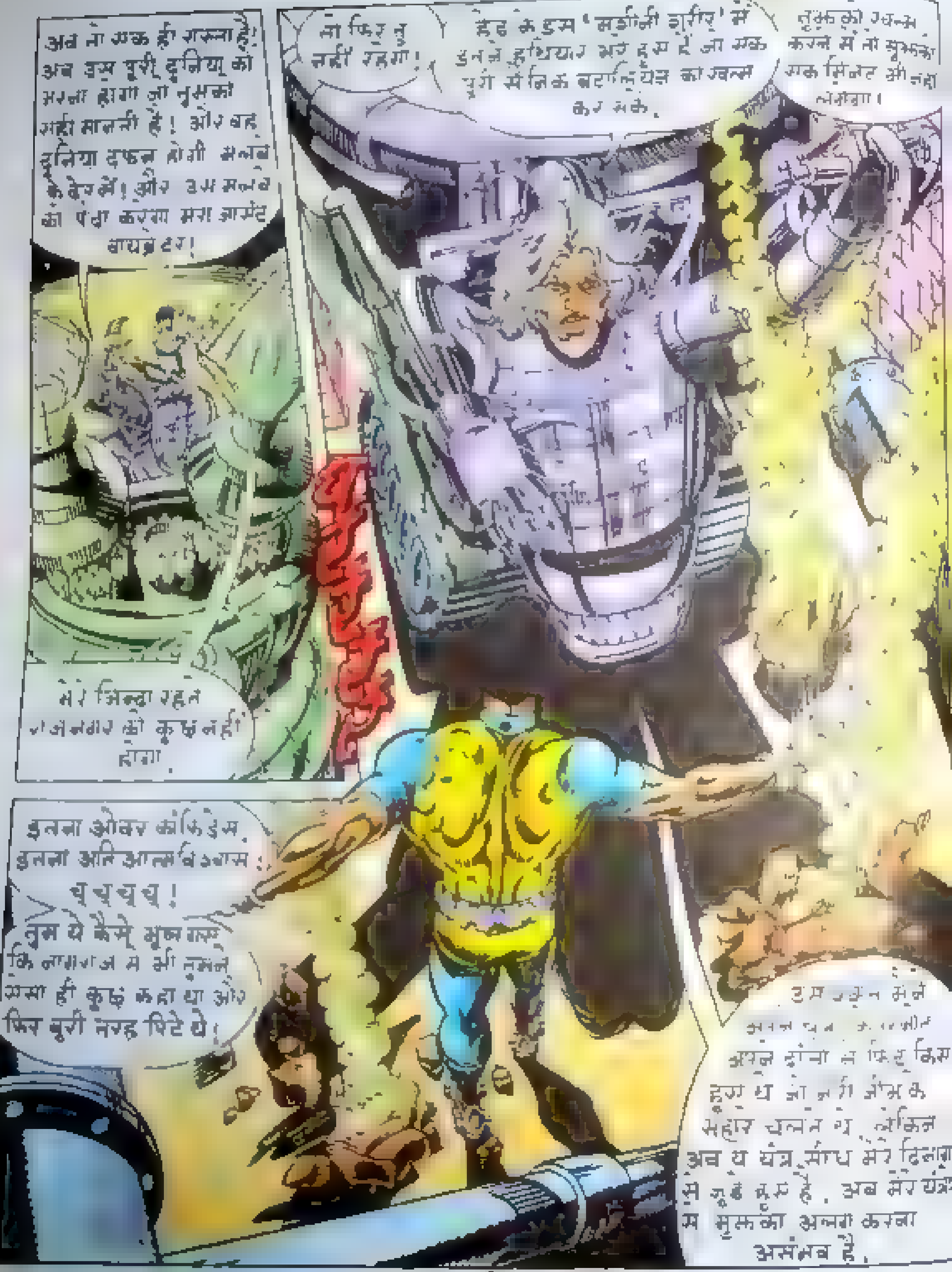
अब तो एक ही रास्ता है! अब इस पूरी दुनिया को मरना होगा जो तुमको सही मानती है! और वह दुनिया दफन होगी मलबे के ढेर में! और उस मलबे को पैदा करेगा मेरा आर्मेट वायब्रेटर!
तो फिर तू नहीं रहेगा!
हेड के इस 'मशीनी शरीर' में इतने हथियार भरे हुए हैं जो एक पूरी सैनिक बटालियन का खात्मा कर सके.
तुझको खत्म करने में तो मुझको एक मिनट भी नहीं लगेगा।
मेरे ज़िन्दा रहते राजनगर को कुछ नहीं होगा.
इतना ओवर कॉन्फिडेंस, इतना अति आत्मविश्वास! च च च च!
तुम ये कैसे भूल गए कि नागराज से भी तुमने ऐसा ही कुछ कहा था और फिर बुरी तरह पिटे थे।
अब ये यंत्र सीधे मेरे दिमाग से जुड़े हुए हैं. अब मेरे यंत्रों से मुझको अलग करना असंभव है.

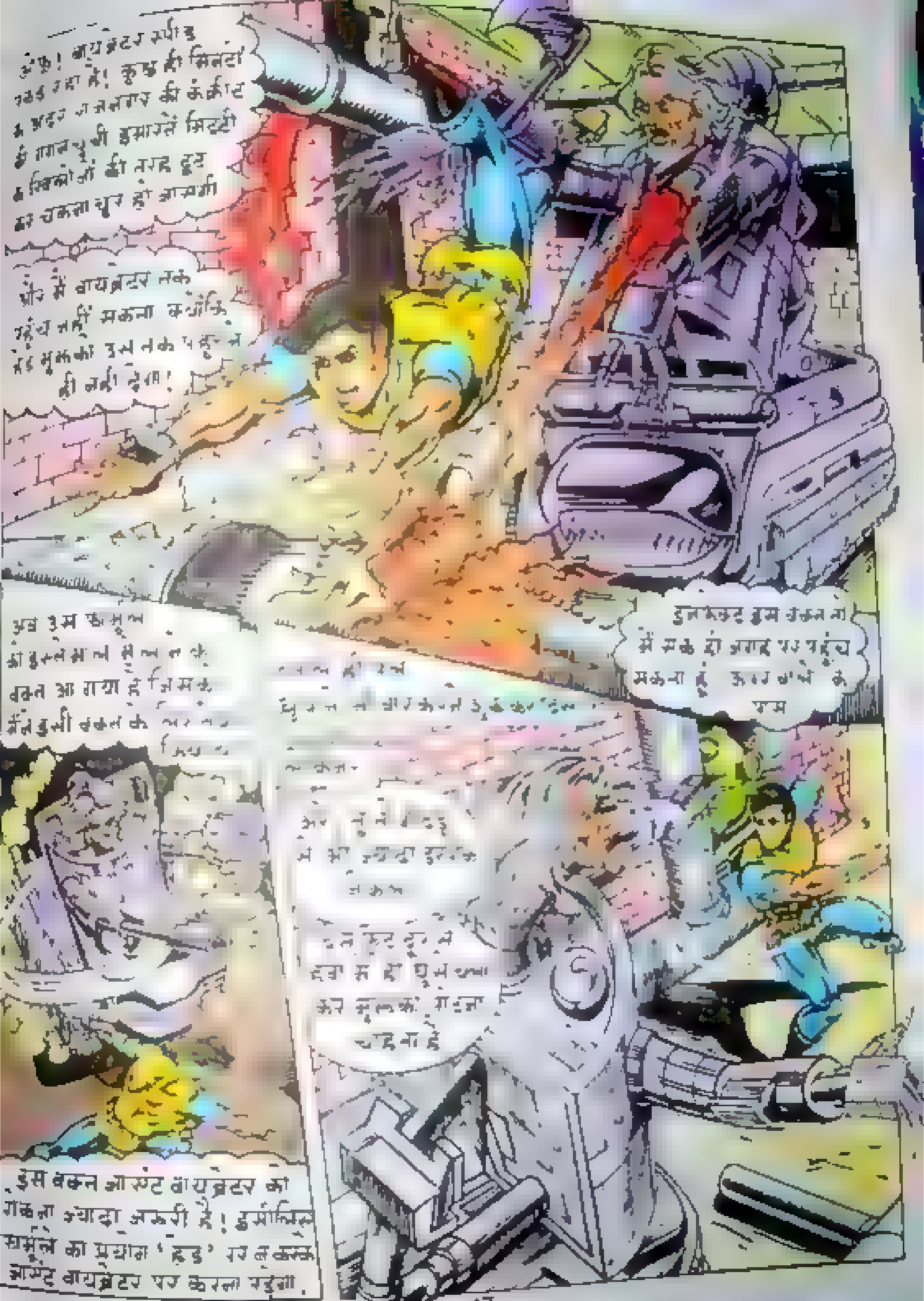

देख, गोद्दा ऐसे जाता है! ऐसे नामो निशान मिटाया जाता है दुश्मन का!
अरे! तू तो फिर से हवा में ही मेंढक की तरह उछलकर फ्लाइंग किक जड़ रहा है।
तुझे पागल तो होना ही था! ऑंख जो लगा है तुझे, तेरी आंखों के सामने ही तेरा शहर धूल में मिलने जा रहा है। बस एक मिनट तक और इंतजार कर ले,
फिर बायोट्रॉन से निकले कंपन राजनगर में तो भूचाल लाएंगे ही...
लेकिन धुआँ थोड़ा सा छंटते ही-

अरे! ध्रुव मशीन के साथ छेड़छाड़ कर रहा है! लेकिन ये मुझे पार करके मशीन तक कैसे पहुंच गया? अभी तक तो...
... ध्रुव मेरे सामने था! और ये तो अभी भी मेरे सामने है! फिर वो कौन है?
अपने ही बनाए गए थ्री डी लेजर प्रोजेक्टर को भूल गए देव! सिर्फ तुम ही नहीं, मैं भी इसका इस्तेमाल कर सकता हूं! अभी मैं इसका प्रयोग अपनी लेजर इमेज को तुम्हारी मशीन में भेजकर उसको जलाने के लिए कर रहा हूं! मैं तुमको मारने के लिए नहीं उछल रहा था बल्कि अपनी लेजर इमेज को चला रहा था!

मेरा वायब्रेटर स्लो हो रहा है! यह रुक रहा है! राज-नगर के बजाय मेरी सारी योजना धूल में मिल रही है!
अब तो तुमको मारना ही मेरी जिन्दगी का एकमात्र मकसद रह गया है!
एकमात्र मकसद!
आऽऽऽह!
इसने फिर से थ्री डी लेजर प्रोजेक्टर का कंट्रोल अपने हाथ में ले लिया है! और अब ये भयावह लेजर आकृतियों से मुझ पर हमला कर रहा है!
लेकिन ध्रुव के लिए अभी एक आखिरी आश्चर्य बाकी था-
अरे! बापू एक बार फिर मेरी मदद कर रहे हैं! ये क्या रहस्य है?
रहस्य खुलने ही वाला था-
ये... ये क्या, यानी राजा भाई ने तुमको देखा था! पर तुम यहां पर कैसे आ गए?
अब दो दो बापू आ गए? ये क्या चक्कर है? कौन है ये दूसरा बापू?

इसको तो मैंने बांधकर रखा था!
ये रहस्य मैं भी बाद में जानूंगा। फिलहाल तो मुझको हेड को काबू में करने का जो मौका मिला है उसको मैं गंवाऊंगा नहीं!
तूने मुझको धोखा दिया है बापू! तूने मुझसे ये बात छुपाकर रखी कि तेरे अलावा तेरे जैसा कोई और भी है!
अब तेरे साथ रहकर जेल जाने से कोई फायदा नहीं है! तू ही ध्रुव से निपट!
हेड तो चला!
हेड भाग रहा है और साथ ही साथ ये सारी टनेल भी गिर रही है! अब मैं हेड के पीछे नहीं जा सकता!
बापू स्वामी का दूसरा रूप उधर की तरफ इशारा कर रहा है! शायद मुझको बाहर जाने का रास्ता दिखा रहा है!
बापू स्वामी के पीछे चलते हुए ध्रुव-
सुरक्षित बाहर तक आ गया था-
बापू स्वामी मुझको यहां पर क्यों लाए हैं?

ओह! इस उजाड़ मकान के अंदर एक और बापू स्वामी बंधे हुए हैं!
यानी... यह बापू स्वामी की एक छाया थी!
कौन हैं आप? ये सब क्या चक्कर है?
आऽऽऽह! धन्यवाद ध्रुव!
मैं बापू स्वामी हूं! और ये मेरा जुड़वां भाई शामलाल है!
ये मेरे प्रभाव का फायदा उठाना चाहता था! इसी लिए इसने मुझे धोखे से यहां पर कैद करके मेरा स्थान ले लिया!
ये मुझको नशे के इंजेक्शन देकर बेहोश रखता था!
शायद इसका सोचना ये था कि अगर इसकी योजना कहीं विफल हो जाए तो ये मुझको पुलिस के हवाले करके खुद लापता हो जाए!
लेकिन मैं इसकी उम्मीद से पहले ही होश में आ गया और योग साधना में आकर अपने मानसिक रूप की मदद से इसे ढूंढने लगा! मैंने इसको ढूंढ निकाला!
तभी मुझको इस सारे षड्यंत्र का पता चला और मेरा मानसिक रूप शैतानी आकृतियों से मिलने के लिए इस सुरंग में आ पहुंचा! जहां पर मैंने तुमको देखा, और तुम्हारी मदद की! मुझको भी तुम्हारी मदद की जरूरत थी क्योंकि मेरा मानसिक रूप केवल आकृतियों को तो नष्ट कर सकता था पर असली वस्तुओं को नहीं! और आखिर-कार तुम सफल हुए! और तुम्हारी मदद के मैं आजाद नहीं हो सकता था!
अब जल्दी चलो! मुझे अपने भक्तों की आंखें खोलनी हैं!
उनका भय दूर करना है और उनको उनके निवास स्थल वापस दिलाने हैं!
और फिर-
प्राकृतिक आपदाएं ईश्वर की इच्छा से आती हैं!
इनको अपने जीवन का ही एक अंग मानो! इनसे घबराकर भागने की चेष्टा करना व्यर्थ है! क्योंकि पृथ्वी पर ऐसा कोई स्थान नहीं है जहां पर ये आपदाएं न पहुंच सकती हों!
बापू स्वामी की जय हो!
ऐ ध्रुव!
तू कब से बापू का भक्त हो गया?
समाप्त.